चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय

अक्टूबर-दिसम्बर, 2022

न्यूज़लेटर

सरकार की कृषक हितैषी योजनाओं का किसानों को मिल रहा है लाभ
एचएयू में किसान दिवस पर बोले कृषि मंत्री जय प्रकाश दलाल

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूर्व प्रधान मंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती को किसान दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में प्रदेशभर से भारी संख्या में किसानों ने भाग लिया, जिन्हे प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री जय प्रकाश दलाल ने बतौर मुख्यातिथि संबोधित किया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

किसान अपनाएं प्राकृतिक खेती: कृषि मंत्री

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री जय प्रकाश दलाल ने अपने संबोधन में किसानों से प्राकृतिक खेती को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को देसी गाय खरीदने पर 25 हजार रूपए का अनुदान मिलेगा। प्रदेश सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय व कृषि विभाग के माध्यम से किसानों को तकनीकी ज्ञान व आर्थिक मदद प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा हरियाणा इकलौता ऐसा प्रदेश है जिसमें किसानों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत उनके द्वारा जितना प्रीमियम भरा गया उससे 500 करोड़ रूपए अधिक का क्लेम मिला है। इसके अलावा हरियाणा किसानों से सबसे ज्यादा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर फसलों की खरीद कर रहा है। इससे पता चलता है कि हरियाणा सरकार किसानों की भलाई के लिए अधिक संवेदनशील है। उन्होंने प्रदेश में किसानों के हित में चलाई जा रही कृषि, पशुपालन एवं मछली पालन संबंधी योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के अधिकतर किसान छोटे व मझौले है, जिस कारण वे नवीनतम तकनीक का लाभ नहीं ले पाते। इसलिए कृषकों को संगठित होकर खेती करने की जरूरत है। इसी कड़ी में केन्द्र व प्रदेश सरकार किसानों को एफपीओ बनाकर खेती करने के लिए प्रेरित कर रही है व आर्थिक मदद दे रही है। सरकार एफपीओ को 90 प्रतिशत तक सब्सिडी दे रही है।

कृषि तकनीक जल्द किसानों तक पहुंचाना हमारा उद्देश्य : कुलपति

समारोह की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि किसानों के बीच प्राकृतिक खेती को लोकप्रिय बनाने के लिए विश्वविद्यालय के प्रत्येक जिलें में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र पर एक एकड़ का प्राकृतिक खेती का मॉडल प्रदर्शन प्रक्षेत्र स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नवीनतम कृषि तकनीक जल्दी से जल्दी किसानों तक पहुंचाना हमारा मुख्य उद्देश्य है। विश्वविद्यालय न केवल फसलों का उत्पादन बढ़ाने पर शोध कर रहा है बल्कि उनकी गुणवत्ता बढ़ाने के साथ कम पानी से उगाई जाने वाली व बदलती जलवायु के प्रति सहनशील फसल किस्में विकसित करने पर भी कार्य कर रहा है। हाल ही में विश्वविद्यालय द्वारा बाजरे की बायोफोर्टिफाइड व ज्वार की संकर किस्में विकसित की गई हैं। विश्वविद्यालय कृषि उत्पादन के प्रसंस्करण, कपास, आलु, गन्ना, मक्का आदि फसलों में सूक्ष्म सिंचाई, जैविक व प्राकृतिक खेती की कृषि पद्धतियां विकसित करने के साथ ग्रामीण आंचल के युवक व युवतियों को स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग प्रदान कर रहा है।

जारी...

अंतर्वस्तु

हकृवि में ऑल इंडिया वाइस चांसलर क्रिकेट कप टी-20 टूर्नामेंट आयोजित, जीती चैंपियनशिप ट्रॉफी 2
एचएयू में फसल अवशेषों को तरल उर्वरक में बदलने पर होगा कार्य 3
एचएयू वैज्ञानिकों द्वारा विकसित मशीन को मिला पेटेंट 3
दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला में 8 नई कृषि सिफारिशें अनुमोदित 4
वित्त एवं प्रशासनिक मामलों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित 4
विश्वविद्यालय के वनस्पति उद्यान में 'शहरी खेती एक्सपों एवं पुष्प उत्सव-2022' आयोजित 5
बेर के फल से गुठली निकालने के यन्त्र को मिला पेटेंट 5
केन्द्रीय कृषि मंत्रालय के सचिव ने विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान संग्राहलय और एबिक का दौरा किया 6
पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की जयंती मनाई 7
छात्र शुभम को मिला बेस्ट थीसिस अवार्ड 7
हकृवि की गेंहू किस्म डब्लयू एच 1270 का बीज भरपूर मात्रा में किसानों को होगा उपलब्ध 8
50वीं वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता आयोजित, 400 विद्यार्थियों ने लिया भाग 8
एचएयू स्थित एबिक के 10 स्टार्टअप्स का एग्रीस्टार्टअप कनक्लेव में प्रदर्शनी के लिए हुआ चयन 9
हकृवि के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित शैक्षिक सामग्री पर मिला कॉपीराइट 10
संक्षिप्त समाचार 10
क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र समाचार 11

संरक्षक
प्रो. बी.आर. काम्बोज
कुलपति

संपादक
डॉ. संदीप आर्य
मीडिया सलाहकार

मुख्य संपादक
डॉ. जीतराम शर्मा
अनुसंधान निदेशक

University Publication No.
CCSHAU/PUB#18-0026-2022-12-4

प्रगतिशील किसानों को किया गया सम्मानित

कार्यक्रम में कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले सिरसा के गांव झोरड़नाली के किसान मुकेश को किसान रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा प्रदेशभर के 40 प्रगतिशील किसानों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने अतिथियों व किसानों का स्वागत किया जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने सभी का धन्यवाद किया। इस मौके पर एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।

हकृवि में ऑल इंडिया वाइस चांसलर क्रिकेट कप टी-20 टूर्नामेंट आयोजित, जीती चैंपियनशिप ट्रॉफी

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 18वां ऑल इंडिया वाइस चांसलर क्रिकेट कप टी-20 टूर्नामेंट का आयोजन किया गया जिसमें देशभर से 26 टीमों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इस टूर्नामेंट का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर कुलपति ने टीमों को खेल भावना से भाग लेते हुए बेहतर खेल का प्रदर्शन करने का आह्वान किया। उन्होंने शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कर्मचारियों से इनमें बढ़ चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया और कहा इससे उनकी कार्यक्षमता में भी वृद्धि होगी। उन्होंने कहा यह विश्वविद्यालय सरकार की खेल नीति के अनुसार खेलों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। हमारा प्रयास है कि विद्यार्थियों व कर्मचारियों का खेलों के प्रति रुझान बढ़े जिसके लिए विश्वविद्यालय में खेल सुविधाओं में निरंतर वृद्धि की जा रही है।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने टूर्नामेंट के प्रतिभागियों का स्वागत किया और टूर्नामेंट दौरान विभिन्न टीमों के बीच खेले जाने वाले मैंचों पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय क्रिकेट क्लब के प्रधान, डॉ. कृष्ण यादव ने प्रतिभागियों को खेल को खेल भावना से खेलने की शपथ दिलवाई। डॉ. सुशील लेगा ने मंच का संचालन किया। सह छात्र कल्याण निदेशक (खेल) डॉ. बलजीत गिरधर ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। विश्वविद्यालय के गैरशिक्षक कर्मचारी संघ (होंटिया) के प्रधान दिनेश राड़ ने इस आयोजन के लिए कुलपति का आभार व्यक्त किया।

मेजबान एचएयू बना चैंपियन

टूर्नामेंट का फाइनल मैच एचएयू (ब्लू) और जामिया मीलिया इसलामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के बीच खेला गया जिसमें एचएयू टीम विजेता रही और चैंपियनशिप ट्रॉफी पर कब्जा किया जबकि टूर्नामेंट में जामिया मीलिया इसलामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली दूसरे और दिल्ली विश्वविद्यालय तीसरे स्थान पर रहे। डॉ. दिनेश को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने उन्हे ट्रॉफियां प्रदान की। इस अवसर पर आईसीएआर, नई दिल्ली के पूर्व डीजीपी केडी खोकाटे, लाला लाजपतराय विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा और हरियाणा बोर्ड ऑफ स्कूल एजूकेशन के पूर्व चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

एचएयू में फसल अवशेषों को तरल उर्वरक में बदलने पर होगा कार्य

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को फसल अवशेष प्रबंधन के लिए हरियाणा के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा तीन साल की अवधि के लिए 30 लाख रुपये की अनुसंधान परियोजना प्राप्त हुई है। जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण प्रदूषण को कम करने के लिए कृषि औद्योगिक अपशिष्ट से तरल उर्वरक का विकास नामक इस परियोजना के अंतर्गत फसल अवशेष, बायोगैस सलरी, ट्रीटेड सीवरेज वॉटर व शीरा को मिलाकर तरल उर्वरक बनाया जाएगा जिसका हाइड्रोपोनिक खेती में पत्तेदार सब्जियों के उत्पादन में प्रयोग होगा।

यह परियोजना विश्वविद्यालय के माइक्रोबायोलॉजी विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. सीमा सांगवान, विभागाध्यक्ष डॉ. लीला वती एवं हार्टिकल्चर के सहायक प्रोफेसर डॉ. अरविंद मलिक द्वारा अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा और मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार के दिशानिर्देश में तैयार की गई थी। डॉ. नीरज कुमार के अनुसार फसल अवशेष जलाने से न केवल पर्यावरण प्रदूषित होता है बल्कि भूमि की उर्वरकता भी कम होती है। मौजूदा कृषि अवशेष आधारित प्रौद्योगिकियां जैसे खाद बनाना, मशरूम की खेती, कार्डबोर्ड बनाना और बिजली उत्पादन के लिए भस्मीकरण करना इस समस्या को हल करने में आंशिक रूप से प्रभावी उपाय हैं। हाइड्रोपोनिक तकनीक में रसायनिक उर्वरकों का प्रयोग किया जाता है लेकिन तरल उर्वरक प्रयोग करने से रसायनिक उर्वरकों के दुष्प्रभाव से बचने के साथ-साथ इन उर्वरकों के खर्च को भी कम किया जा सकेगा।

> “चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय फसल अवशेष जलाने की समस्या को हल करने के लिए इन अवशेषों के वैकल्पिक प्रबंधन के नए तरीके खोजने के लिए निरंतर प्रयासरत है। प्रस्तावित परियोजना एक विकल्प प्रदान करेगी, जहां बायोगैस सलरी, सीवेज पानी और शीरा जैसे औद्योगिक कचरे के साथ कृषि अवशेषों को माइक्रोबियल अपघटन और किण्वन तकनीकों का उपयोग करके तरल उर्वरक का उत्पादन किया जाएगा। यह तरल उर्वरक पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ हाइड्रोपोनिक खेती की औसत उपज को बढ़ाने में भी सहायक होगा।
>
> **- प्रो. बी.आर. काम्बोज, कुलपति**”

एचएयू वैज्ञानिकों द्वारा विकसित मशीन को मिला पेटेंट

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक और उपलब्धि को विश्वविद्यालय के नाम किया है। वैज्ञानिकों द्वारा अविष्कार की गई फल और सब्जी छेदक पेडल ऑपरेटेड मशीन को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय की ओर से पेटेंट प्रदान किया गया है। इस मशीन का अविष्कार विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के प्रसंस्करण एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. नितिन कुमार, डॉ. डी.के. शर्मा व सेवानिवृत्त डॉ. एम.के. गर्ग की अगुवाई में किया गया है।

रख-रखाव खर्च व लागत कम, कार्यक्षमता अधिक

कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा के अनुसार इस मशीन का किसानों, छोटे व मध्यम स्तर के फूड प्रोसेसर और नवोदित उद्यमियों को बहुत लाभ होगा। उन्होंने कहा मुरब्बा और अचार तैयार करने के लिए फलों और सब्जियों को आगे की प्रक्रिया से पहले उनमें छेद करने पड़ते है, जो इस मशीन की सहायता से आसानी से किए जा सकते हैं। इस मशीन को भारतीय पुरुषों और महिलाओं के एंथ्रोपोमेट्रिक मापों को ध्यान में रखते हुए

डिजाइन किया गया है।

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा के अनुसार यह बिजली जैसे किसी स्रोत की आवश्यकता के बिना मैन्युअल रूप से 30 कि.ग्रा. प्रति घंटा की क्षमता पर एक समान छेद करती है, इसलिए यह ग्रामीण और अर्ध शहरी क्षेत्रों के लिए सबसे उपयुक्त है जहां बिजली की आपूर्ति अभी भी एक समस्या है। इस मशीन के द्वारा फलों व सब्जियों को छेदने के दौरान निकले रस को एकत्र करने की भी व्यवस्था है।

पेटेंट मिलना गर्व की बात

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को लगातार मिल रही उपलब्धियां यहां के वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का नतीजा हैं। इस तरह की तकनीकों के विकास में सकारात्मक प्रयासों को विश्वविद्यालय हमेशा प्रोत्साहित करता रहता है। विश्वविद्यालय के अविष्कार को पेटेंट मिलना बहुत ही गौरव की बात है। वैज्ञानिकों को भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर प्रयास जारी रखने चाहिए।

- प्रो. बी.आर. काम्बोज
कुलपति

दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला में 8 नई कृषि सिफारिशें अनुमोदित

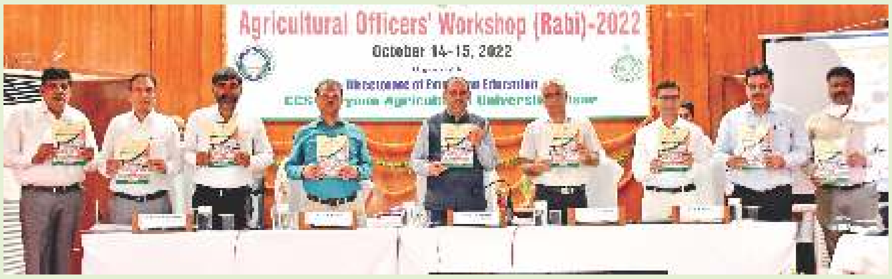

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला (रबी) में प्रदेशभर के कृषि अधिकारियों और विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने रबी फसलों की समग्र सिफारिशों पर विस्तार से चर्चा की और अनेक महत्वपूर्ण पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। कार्यशाला में 8 नई कृषि सिफारिशों का अनुमोदन किया गया। इस कृषि अधिकारी कार्यशाला का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने किया।

कुलपति ने वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों से प्रदेश में कृषि क्षेत्र के विकास के लिए नई सोच और सहयोग से आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा फसलों में संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन के साथ-साथ पौधे द्वारा तत्वों के ग्रहण करने की क्षमता बढ़ाने, ड्रेनेज सिस्टम व मृदा में लवणता प्रबंधन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन का फसल उत्पादन पर होने वाले प्रभाव, फसल अवशेषों का प्रबंधन, प्राकृतिक खेती व मृदा स्वास्थ्य को बनाए रखने बारे किसानों का मार्गदर्शन करने और किसानों को परम्परागत खेती की बजाय फसल विविधिकरण के साथ-साथ आधुनिक खेती के तौर तरीकों, मृदा जांच व नवीनतम तकनीकों की जानकारी देने पर भी बल दिया। इस अवसर पर उन्होंने विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल, सह निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव, मीडिया सलाहकार डॉ. संदीप आर्य व सह निदेशक (फार्म परामर्श सेवा) डॉ. सुनील कुमार ढांडा द्वारा कृषि मेला (रबी)- 2022 के संबंध में लिखी गई 'कीर्तिमानों के नए शिखर- एक रिर्पोट' नामक पुस्तिका का विमोचन किया।

कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा बतौर विशिष्ट अतिथि ऑनलाइन माध्यम से जुड़ी। उन्होंने बदलती जलवायु के अनुकूल फसलों की नई किस्में विकसित करने और मृदा स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए टिकाऊ खेती व प्राकृतिक खेती की तरफ बढ़ने की आवश्यकता जताई। कार्यक्रम को कृषि विभाग, हरियाणा के महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह व अतिरिक्त निदेशक (सांख्यिकी) डॉ. आर.एस. सोलंकी ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न विस्तार गतिविधियों जबकि अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने विश्वविद्यालय में चल रही अनुसंधान परियोजनाओं के बारे में बताया। कार्यशाला के नोडल ऑफिसर डॉ. हवा सिंह सहारण ने मंच का संचालन किया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

नई कृषि सिफारिशों का हुआ अनुमोदन

कार्यशाला में आठ नई सिफारिशें अनुमोदित की गई। इन सिफारिशों में चार नई किस्में (देसी चना की हरियाणा चना-6 (एचसी-6), जई की एचएफओ-611 एवं एचएफओ-707 तथा चंद्रशूर की एचएलएस-4) को शामिल किया गया है। इसके अलावा दक्षिण-पश्चिम हरियाणा के सिंचित क्षेत्रों में जौ की बिजाई अक्तूबर के आखिरी सप्ताह से नवम्बर के पहले सप्ताह के बीच करना, दाना मटर में निम्न सल्फर स्तर वाली जमीन में 12 कि.ग्रा. सल्फर प्रति एकड़ एवं निम्न व मध्यम पौटाश वाली जमीन में 8 कि.ग्रा. पौटाश प्रति एकड़ की दर से बिजाई के समय डालना, टिकाऊ खेती के लिए ज्वार-बरसीम फसल चक्र में जैविक चारा उत्पादन तथा गेंहू के पीला रतुआ के नियंत्रण के लिए 120 ग्रा. नैटिवो प्रति एकड़ स्प्रे करने की भी सिफारिश की गई है।

वित्त एवं प्रशासनिक मामलों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

चौधरी चरण सिहं हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक कार्यालय द्वारा हरियाणा लोक प्रशिक्षण संस्थान (हिपा) एवं विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के सहयोग से उपाधिक्षकों, सहायकों एवं लिपिकों के लिए वित्त एवं प्रशासनिक मामलों पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों की श्रृंखला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि थे जबकि हरियाणा शिक्षा बोर्ड भिवानी के पूर्व चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

प्रो. काम्बोज ने कहा कि प्रत्येक संस्थान में मानव संसाधन का समुचित प्रबंधन बहुत जरूरी है। इसके लिए उनके कौशल विकास में इस प्रकार के प्रशिक्षण महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने आयोजकों को प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों से प्रशिक्षण की सार्थकता बारे प्रतिक्रिया जानने का आह्वान किया ताकि आगामी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सुधार किया जा सके। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण समय-समय पर आयोजित होते रहने चाहिए ताकि समय के साथ बदलते समीकरणों के अनुसार विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी व कर्मचारी अपने को ढाल सकें तथा नए नियमों की जानकारी प्राप्त कर सकें।

वित्त नियंत्रक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के कोर्स निदेशक श्री नवीन जैन ने बताया कि इस कार्यक्रम के लिए विश्वविद्यालय के 30-30 कर्मचारियों के 10 ग्रुप बनाए गए हैं। यह प्रशिक्षण उनके दैनिक कार्यो को सुचारू रूप से अधिक दक्षता के साथ निपटाने में लाभदायक होगा। इस अवसर पर प्रधानाचार्य हिपा, श्री डी.एन.एस. चहल और मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता ने भी संबोधित किया।

विश्वविद्यालय के वनस्पति उद्यान में 'शहरी खेती एक्सपों एवं पुष्प उत्सव-2022' आयोजित

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वनस्पति उद्यान में तीन दिवसीय शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव-2022 का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के एग्री टूरिज्म सेंटर, वनस्पति उद्यान, एचएयू समाज कल्याण समिति और भू-दृश्य संरचना इकाई के सहयोग से आयोजित किए गए इस कार्यक्रम का कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने शुभारम्भ किया।

कुलपति ने कहा फूल प्रकृति द्वारा हमें दिए गए सबसे खूबसूरत उपहारों में से एक है। फूल न केवल अपनी सुंदरता व सुगंध के कारण महत्वपूर्ण हैं बल्कि हमारे पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में भी सहायक है। प्रो. काम्बोज ने कहा कि घट रही खेती करने योग्य जमीन की समस्या के चलते वैज्ञानिकों ने खेती की कई नई तकनीकें और पद्धतियां इजाद की हैं। शहरी खेती इनमें से प्रमुख है। शहरी खेती घर के बाहर किसी छोटे से बगीचे में, छत पर और कमरे के अंदर वर्टिकल गार्डन बनाकर की जा सकती है। शहरी लोग हाइड्रोपोनिक सिस्टम व एरोपोनिक सिस्टम से बिना मिट्टी के किचन गार्डनिंग कर सकते हैं। कमरे के अंदर भी एलईडी लाइट से सब्जियां उगाई जा सकती हैं। वर्टिकल खेती, हाइड्रोपोनिक विधि के लिए कम जगह व बिजली की जरूरत होती है। पुष्प प्रदर्शनी के समापन अवसर पर विभिन्न पौध श्रेणियों में प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त स्कूल व कॉलेज विद्यार्थियों के लिए ऑन द स्पॉट ड्राइंग व पेंटिंग, रंगोली, मेहंदी रचाओ, ताजा व सूखा पुष्प सज्जा आदि प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा मुख्यातिथि रहे जबकि हरियाणा शिक्षा बोर्ड भिवानी के पूर्व चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह विशिष्ट अतिथि थे। उन्होंने प्रदर्शनी के प्रति लोगों के उत्साह की प्रशंसा की। उन्होंने प्रदर्शनी में फूलों, विशेषकर गुलदाऊदी की विभिन्न किस्मों के साथ-साथ कैक्टस, सैक्युलेंटस, बोनसाई आदि की क्लैकशन का भी अवलोकन किया और विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए।

बेर के फल से गुठली निकालने के यन्त्र को मिला पेटेंट

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विकसित बेर के फल से गुठली निकालने के यन्त्र को भारतीय पेटेंट कार्यालय द्वारा पेटेंट प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के बागवानी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. मुकेश कुमार द्वारा डॉ. देवी सिंह व डॉ. राजेन्द्र सिंह गोदारा के सहयोग से विकसित किए गए इस यन्त्र को पेटेंट अधिनियम 1970 के अंतर्गत 20 साल की अवधि के लिए 408016 संख्या से पेटेंट अनुदत किया गया है।

उल्लेखनीय है कि बेर, जिसको शुष्क क्षेत्र के फलों का राजा व गरीब का फल भी कहा जाता है, बहुत सारे पोषक तत्वों व विटामिनों से भरपूर फल है। परन्तु इस फल में गुठली होने की वजह से इसको छोटे बच्चों, बुजुर्गों व आमजन को देने में परहेज किया जाता है। बच्चों में इसकी गुठली के खाने की नली में फसने का भय बना रहता है जबकि बुजुर्ग लोगों के कमजोर दांत टूटने का खतरा रहता है। इनके अतिरिक्त खाते समय बेर की गुठली के साथ इसका गुद्दा भी चिपका रह जाता है जिससे इसमें उपस्थित पोषक तत्व बेकार चले जाते हैं। गुठली को मुंह से निकालकर बार-बार फेंकना भी एक समस्या है। *जारी...*

विश्वविद्यालय को मिल चुके हैं 20 पेटेंट

इस पेटेंट के साथ विश्वविद्यालय में विकसित की गई विभिन्न प्रौद्योगिकियों पर अब तक मिल चुके पेटेंटों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है। इनके अतिरिक्त विश्वविद्यालय को 6 डिजाइन पेटेंट, 11 कॉपीराइट और एक ट्रेड मार्क भी प्रदान किए जा चुके हैं।

प्रो. बी.आर. काम्बोज, कुलपति

बेर की गुठली निकालने के बाद बच्चों और बुजुर्गों को इसे बिना भय के खाने को दिया जा सकता है

प्रसंस्करण के लिए बहुत उपयोगी है यन्त्र

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने बताया कि गुठली निकालने के बाद प्रसंस्करण के लिए बेर का गुद्दा भी आसानी से बनाया जा सकता है जो विभिन्न प्रकार के उत्पाद बनाने के काम आ सकता है। इसके साथ ही इसकी केंडी व मुरब्बा बनाने के लिए फल में छेद करने की आवश्यकता नहीं पड़ती। उन्होंने कहा इसकी प्रोसेसिंग की मांग बढ़ने से तुड़ाई के बाद होने वाले नुकसान को कम किया जा सकेगा और किसानों को इसके उचित भाव भी मिलेंगे।

केन्द्रीय कृषि मंत्रालय के सचिव ने विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान संग्रहालय और एबिक का दौरा किया

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सचिव श्री मनोज आहुजा ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की अगुवाई में विश्वविद्यालय के डॉ. मंगलसेन कृषि विज्ञान संग्रहालय व एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर (एबिक) का दौरा किया। वे इस विश्वविद्यालय की संरचनाओं से बहुत प्रभावित हुए। संग्रहालय के दौरे के दौरान उन्होंने इसे कृषि के इतिहास और भविष्य का अद्‌भुत समागम बताया। उन्होंने कहा इस संग्रहालय में एक ही छत के नीचे विश्वविद्यालय की विशिष्ट उपलब्धियों, कृषि व कृषक हितैषी कार्यों के साथ-साथ हरियाणा की गौरवमयी संस्कृति एवं ऐतिहासिक धरोहरों की जानकारी मिलती है।

यहां उल्लेखनीय है कि संग्रहालय में हरियाणा की गौरवपूर्ण विकास यात्रा के सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक, जनसांख्यिकीय आंकड़ों को दर्शाए जाने के साथ आगंतुकों को कृषि के बारे में जागरूक करने के लिए कृषि विकास यात्रा को त्री-आयामी भित्ती-चित्रों द्वारा दर्शाया गया है जिनकी विस्तृत व्याख्या के लिए टच-स्क्रीन कियोस्क लगाए गए हैं। विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों, विभागों/संकायों की जानकारी देने के लिए त्री-आयामी (थ्री-डी) मॉडल लगाए गए हैं जो विश्वविद्यालय का अति सुन्दर चित्रण प्रस्तुत करते हैं। हरियाणवी संस्कृति को दर्शाते हुए एक ग्रामीण पुरातन संग्रहालय स्थापित किया गया है जिसमें कृषि में उपयोग किए जाने वाले पुरातन यंत्रों, ग्रामीण दिनचर्या की विभिन्न वस्तुओं जैसे रसोई का सामान, बर्तन, वस्त्र, चरखा, बैलगाड़ी आदि को ग्रामीण क्षेत्रों से एकत्रित करके खूबसूरत तरीके से प्रदर्शित किया गया है।

एबिक का भी किया दौरा

कृषि सचिव श्री मनोज आहुजा ने एबिक दौरे के दौरान कहा कि एबिक युवाओं व किसानों को उनके उत्पाद की प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, सर्विसिंग व ब्रांडिंग जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं बारे उम्दा मार्गदर्शन कर रहा है जिससे किसान अपने व्यवसाय को अच्छे से स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने कहा एबिक द्वारा किसान को स्वयं का व्यवसाय खड़ा करने के लिए कंपनी बनाना, लाइसेंस लेना, उनके नवाचार को पेटेंट प्रदान करवाना व उत्पाद को मार्केट में बेचने में सहयोग देने का भी सराहनीय कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की जयंती मनाई

देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे। उनका मानना था कि देश की समृद्धि का रास्ता गांव, खेत व खलिहान से होकर गुजरता है। किसानों के लिए उनके अतुलनीय योगदान के कारण ही उन्हें किसानों के मसीहा के तौर पर भी जाना जाता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे पूर्व प्रधानमंत्री की 120वीं जयंती पर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के बाद संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा चौधरी चरण सिंह स्वयं एक किसान परिवार व ग्रामीण परिवेश से थे इसलिए वे किसानों की समस्याओं को अच्छी तरह से समझते थे। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान देश में किसानों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कई नीतियां बनाई। उन्होंने विश्वविद्यालय के कर्मचारियों से इस महान नेता के पद चिन्हों पर चलते हुए किसानों की उन्नति व समृद्धि के लिए निरंतर प्रयत्न करने का आह्वान किया। इस अवसर पर उपस्थित विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के डीन, डायरेक्टर, कुलसचिव सहित उपस्थित विभागाध्यक्षों व कर्मचारियों ने भी चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

छात्र शुभम को मिला बेस्ट थीसिस अवार्ड

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के प्लांट पैथोलॉजी विभाग के छात्र शुभम सैनी को डॉ. एस.एस. चहल बेस्ट मास्टरस थीसिस अवार्ड प्रदान किया गया है। यह अवार्ड उन्हें पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना और गोबिंद वल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित मल्टीडिसिप्लिनरी अपरोचिज फॉर प्लांट हेल्थ मैनेजमेंट विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रदान किया गया। उनके मास्टरस थीसिस का शीर्षक 'स्टडीज ऑन इंटीग्रेटेड अपरोचिज फॉर मैनेजमेंट ऑफ अनियन पर्पल ब्लोच इनसाइटिड बाय अलटरनेरिया पोरी' था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने शुभम की इस उपलब्धि के लिए उसे बधाई और उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

शुभम ने अपनी डिग्री के दौरान कीट विज्ञान, सूक्ष्म जीव विज्ञान एवं बीज प्रौद्योगिकी से जुड़े बहुविकल्पीय कार्य किए। उसने पहली बार बताया कि थ्रीपस पारविसपाइनस (कीट) प्याज को हानि पहुंचाता है। उसने अपनी मास्टर डिग्री डॉ. कुशल राज के मार्गदर्शन में की है।

हकृवि की गेंहू किस्म डब्लयू एच 1270 का बीज भरपूर मात्रा में किसानों को होगा उपलब्ध

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं की डब्लयू एच 1270 उन्नत किस्म का अब हरियाणा ही नहीं बल्कि देश के अन्य प्रदेशों के किसानों को भी लाभ मिल सकेगा। इसके लिए विश्वविद्यालय ने हरियाणा, पंजाब, नई दिल्ली व मध्यप्रदेश की 30 बीज कंपनियों के साथ अनुबंध किए हैं। यह कंपनियां गेहूं की डब्लयू एच 1270 किस्म का बीज तैयार करेंगी और उसका विपणन करेंगी। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में हकृवि के अधिकारियों व बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों ने अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि गेहूं की डब्लयू एच 1270 किस्म की अधिक पैदावार व रोग प्रतिरोधक क्षमता होने के कारण इसकी मांग अन्य राज्यों में भी लगातार बढ़ रही है। इसके मद्देनजर आगामी रबी मौसम में किसानों को भरपूर मात्रा में बीज उपलब्ध करवाने के लिए विश्वविद्यालय ने पब्लिक-प्राइवेट-पार्टनरशिप के तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए निजी क्षेत्र की प्रमुख बीज कंपनियों के साथ समझौता किया है। उन्होंने कहा यह विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की मेहनत का परिणाम है कि हरियाणा प्रदेश क्षेत्रफल में अन्य प्रदेशों की तुलना में छोटा होते हुए भी देश के केंद्रीय खाद्यान भण्डारण में लगभग 16 प्रतिशत का योगदान दे रहा है और यह फसल उत्पादन में अग्रणी प्रदेशों में शामिल है।

उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय के गेहूं अनुभाग द्वारा विकसित की गई इस किस्म को देश के उत्तर-पश्चिमी मैदानी भाग जिसमें पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, पश्चिमी उत्तरप्रदेश, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड के कुछ हिस्से शामिल हैं, के सिंचित क्षेत्रों में अगेती बिजाई के लिए अधिसूचित किया गया है।

डब्लयू एच 1270 की विशेषताएं

इस किस्म में विश्वविद्यालय की सिफारिशों के अनुसार बिजाई करके उचित खाद, उर्वरक व पानी दिया जाए तो इसकी औसत पैदावार 75.8 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हो सकती है और अधिकतम पैदावार 91.5 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक ली जा सकती है। गेहूं की यह किस्म मुख्य बीमारियों पीला रत्तवा व भूरा रत्तवा के प्रति रोगरोधी है।

इन कंपनियों के साथ हुआ अनुबंध

विश्वविद्यालय द्वारा डब्ल्यू एच 1270 किस्म के बीज उत्पादन एवं विपणन हेतु जिन प्राइवेट बीज कंपनियों के साथ अनुबंध हुए हैं उनमें उत्तम सीड्स (हिसार), मॉडल एग्रीटेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (करनाल), कुरूक्षेत्र एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड (इंद्री), शिव गंगा हाइब्रिड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड (हिसार), हरियाणा सीड कंपनी (करनाल), क्वालिटी हाइब्रिड सीड्स कंपनी (हिसार), काश्तकार सीड्स विदीशा (मध्यप्रदेश), उन्नत बीज कंपनी (सिरसा), शक्तिवर्धक हाइब्रिड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड (हिसार), टिवाना सीड स्टोर, भवानीगढ़ (पंजाब), स्पोर्ट ऑर्गेनिक फार्म इंडिया, नई दिल्ली आदि शामिल हैं।

50वीं वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता आयोजित, 400 विद्यार्थियों ने लिया भाग

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 50वीं वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दो दिवसीय इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों के करीब 400 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और विभिन्न स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने उद्घाटन किया।

कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि मनुष्य के व्यक्तित्व विकास में खेलों की अहम भूमिका है। यह हमारे शारीरिक और मानसिक विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। इनमें भाग लेने से जहां उन्हे बेहतर स्वास्थ्य मिलता है वहीं भाईचारा, सहनशीलता तथा अनुशासन का भी विकास होता है। उन्होंने कहा इस विश्वविद्यालय ने अनेक उम्दा दर्जे के खिलाड़ी दिए हैं जिन्होंने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रदर्शन से देश व प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। विद्यार्थियों को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए और खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय में बेहतर कोच और खेल सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं जिनका विद्यार्थियों को पूरा लाभ उठाना चाहिए।

इस अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने खिलाड़ियों से प्रतियोगिता में खेल भावना से भाग लेने की अपील की। उन्होंने विद्यार्थियों को उम्दा खेल सुविधाएं मुहैया करवाए जाने के लिए कुलपति का आभार व्यक्त किया।

इससे पूर्व कुलपति ने ध्वजारोहण कर प्रतियोगिता आरम्भ करने की घोषणा की और खिलाड़ियों की मार्च पास्ट की सलामी ली।

विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों ने मशाल प्रज्वलित की।

एग्रीकल्चर कॉलेज बना ओवरऑल चौम्पियन

खेल-कूद प्रतियोगिता के अंतर्गत आयोजित विभिन्न स्पर्धाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करके एग्रीकल्चर कालेज, हिसार ने पुरुष वर्ग व महिला वर्ग में चैम्पियनशिप ट्राफी पर कब्जा किया और चैम्पियन का खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता में बेसिक सांइस कालेज के छात्र मंजीत सिंह को पुरुष वर्ग में और इसी कालेज की छात्रा अंकीता को महिला वर्ग में बेस्ट एथलीट घोषित किया गया। इन दोनों खिलाड़ियों को डॉ. सत्य प्रकाश आर्य सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी की ट्राफी प्रदान की गई। विजेताओं को कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने पुरस्कार प्रदान किए।

एचएयू स्थित एबिक के 10 स्टार्टअप्स का एग्रीस्टार्टअप कनक्लेव में प्रदर्शनी के लिए हुआ चयन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) स्टार्टअप्स को आगे बढ़ाने में निरंतर प्रयत्नशील है। नई दिल्ली में हाल ही में आयोजित हुए एग्रीस्टार्टअप कनक्लेव में एचएयू के 10 स्टार्टअप्स को भाग लेने का अवसर मिला। इस कनक्लेव में देशभर से 300 से अधिक एग्री स्टार्टअप्स व हजारों की संख्या में किसानों ने भाग लिया। इस अवसर पर एक एग्रीस्टार्टअप प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया जिसमें स्टार्टअप्स व किसानों को आपस में जुड़ने का अवसर मिला जिससे किसानों को नए-नए आइडिया की जानकारी प्राप्त हुई।

प्रदर्शनी में भाग लेने वाले स्टार्टअप्स में हिसार जिले के निवासी राजेन्द्र सिंह, पूनिया एण्ड पूनिया एग्रोप्राइवेट लिमिटेड जो किसानों के लिए सभी प्रकार के अनाजों को साफ करने वाली विनोइंग मशीन बनाती है; झज्जर जिले के निवासी अंकित सिंह, हर्बचिक प्राइवेट लिमिटेड जो विगन व चिकनबार बनाने का काम करती है; यमुनानगर जिले के निवासी सुभाष कम्बोज, कम्बोज हनीबी प्राइवेट लिमिटेड जो शहद के विनेगर व मुरब्बे बनाने का काम करती है; प्रिंस, धर्मबीर फूड प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड जो पोरटेबल फूड प्रोसेसिंग मशीन बनाती है जिससे 100 तरह के फूड व अन्य प्रोडेक्ट प्रोसेस होते हैं के साथ-साथ आलोक दुग्गल, ई-फार्म कंपनी जो किसानों तक सभी प्रकार के बीज, फर्टिलाइजर, पेस्टीसाइड, एनिमल फीड किफायती दरों पर पहुचानें का काम कर रही है; पुनीत दत्ता, आटावेयर प्राइवेट लिमिटेड जो गुड़ व अनाज से बर्तन बनाते हैं जो पर्यावरण व स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, शामिल हैं।

इनके अतिरिक्त सौरभ गौतम, कृषि गुरूकुलम प्राइवेट लिमिटेड जो किसानों व उद्यमियों को किफायती दरों पर शिक्षित करने का कार्य करती है; जींद जिले के निवासी अशोक सिंह, ऑल एग्री ऑनलाइन प्राइवेट लिमिटेड जो मुर्गी पालन से संबंधित सभी कामकाज जैसे अंडे व मुर्गे की बिक्री, किफायती दरों पर नया पॉलटी फार्म लगाना तथा सभी प्रकार के डॉक्टर मुहैया करवाने का काम करती है और करनाल जिले के निवासी नितिन ललित, अल्फा एडवांटेक जो खुलने वाले गमले व ट्रेंचिज बनाती है जिनमें हफ्ते में केवल दो ही बार पानी देना पड़ता है और पौधे की ग्रोथ में भी 30 प्रतिशत से अधिक वृद्धि होती है, ने भी इस प्रदर्शनी में भाग लिया। इस अवसर पर एबिक के प्रिंसीपल इनवेस्टीगेटर डॉ. राजेश गेरा, बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु व बिजनेस एग्जीक्युटिव राहुल दुहन भी मौजूद रहे।

हकृवि के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित शैक्षिक सामग्री पर मिला कॉपीराइट

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में शिशुओं की माताओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर रजिस्ट्रार ऑफ कॉपीराइट (इण्डिया) द्वारा कॉपीराइट प्रदान किया गया है। यह सामग्री भारतीय माता-पिता के लिए बहुत उपयोगी होगी। आज जिस प्रकार संयुक्त परिवार तेजी से खत्म होते जा रहे हैं, बहुत से युवा अभिभावकों को अपने बच्चों की देखभाल स्वयं करनी पड़ती है। ऐसे में वे मदद के लिए इंटरनेट और मोबाइल ऐप की ओर रूख करते हैं। परन्तु बच्चों की परवरिश से संबंधित अधिकांश ऐप अंग्रेजी भाषा में हैं और इन्हें पश्चिमी देशों के माता-पिता की जरूरतों के हिसाब से बनाया गया है जबकि भारतीय बच्चों का विकास, उनका वातावरण और उनकी जरूरतें विदेशी बच्चों से भिन्न होती हैं। इस पहलू को ध्यान में रखते हुए उपरोक्त विभाग की छात्रा समानता बिश्नोई ने डॉ. पूनम मलिक के मार्गदर्शन में यह शैक्षिक सामग्री तैयार की है जो भारतीय माता-पिता के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका होगी।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इस शैक्षिक सामग्री के लिए इन शोधकर्ताओं की प्रशंसा की और इस कार्य को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय अनुसंधान व अविष्कारों की सहायता से किसानों व आमजन के लाभ के लिए निरंतर प्रयासरत है। यहां ऐसी कई तकनीकों पर काम किया जा रहा है जिन्हे बौद्धिक संपदा के रूप में स्थापित किया जा सकता है।

सामग्री मोबाइल ऐप पर होगी उपलब्ध

गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता के अनुसार इस सामग्री को संबंधित क्षेत्र के विभिन्न विशेषज्ञों ने मूल्यांकन द्वारा प्रमाणित किया है। भविष्य में यह सामग्री एक मोबाइल ऐप के माध्यम से भारतीय अभिभावकों को उपलब्ध करवाई जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

• फिट इंडिया फ्रीडम रन आयोजित

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ की ओर से फिट इंडिया फ्रीडम रन का आयोजन किया गया। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 2 अक्तूबर से 31 अक्तूबर तक मनाए जा रहे फिट इंडिया फ्रीडम रन कार्यक्रम का कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष फिट इंडिया फ्रीडम रन का थीम ''आजादी के 75 साल, फिटनेस रहे बेमिसाल'' रखा गया है। उन्होंने फ्रीडम रन में भाग ले रहे विद्यार्थियों को व्यक्तिगत फिटनेस के साथ स्वच्छता को भी अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाने के लिए प्रेरित किया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि इस दौरान उत्तर क्षेत्र गणतंत्र दिवस परेड पूर्व शिविर 2022 के राज्य स्तरीय ट्रायल का आयोजन भी किया गया जिसमें हरियाणा प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से 195 राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों ने भाग लिया। इस अवसर पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और प्रतिभागियों की परेड कुशलता का भी आंकलन किया गया।

• कीट विज्ञान पर 21 दिवसीय रिफ्रैशर कोर्स संपन्न

कृषि महाविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग में स्थित सैंटर ऑफ एडवांसड फैकल्टी ट्रेनिंग के तत्वावधान में 21 दिवसीय रिफ्रैशर कोर्स आयोजित किया गया। कोर्स का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिकों को बदलते कृषि परिदृष्य में पेस्टीसाइडस की विषाक्तता, अवशेष उपयोग आदि के कारण किसानों के सामने वास्तविक चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करना और नाशजीवी प्रतिरोध, वातावरण प्रदूषण तथा मानव स्वास्थ्य के लिए उत्पन्न खतरों जैसी समस्याओं का समाधान खोजना था। प्रशिक्षण के समापन समारोह में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा मुख्यातिथि थे। उन्होंने प्रशिक्षुओं से पेस्टीसाइडस के आवश्यकता आधारित एवं विवेकपूर्ण उपयोग बारे शोध कार्य करने का आह्वान किया। उपरोक्त प्रशिक्षण में देश के 10 राज्यों के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों से 25 वैज्ञानिकों ने भाग लिया। अंत में मुख्यातिथि ने सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए। कीट विज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं कोर्स निदेशक डा. एस.के.पाहुजा ने उपरोक्त सैन्टर की विभिन्न गतिविधियों और इस ट्रेनिंग कोर्स के अंतर्गत किए गए क्रियाकलापों पर प्रकाश डाला।

• जरूरतमंदों के लिए चैरिटी ड्राइव

इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा कैंपस में पुराने कपड़ों और कंबल का दान अभियान चलाया गया। इस चैरिटी ड्राइव के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों तक कपड़े, राशन, खिलौने व अन्य जरूरत का सामान पहुंचाकर उनकी मदद की गई। अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और छात्रों से पुराने कपड़े और खिलौने एकत्र किए गए और परिसर में निर्माण श्रमिकों और छोटे बच्चों को वितरित किए गए। कार्यक्रम पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की इवेंट

मैनेजमेंट में कौशल विकास की छात्राओं द्वारा आयोजित किया गया था।

- **छात्राओं के लिए प्रशिक्षण**

छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा वस्त्र एवं परिधान विभाग के सहयोग से स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्राओं के लिए 10 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर मुख्यातिथि छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने प्रशिक्षुकों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। उन्होंने कहा कि वस्त्र एवं परिधान विभाग की छात्राओं के लिए फैशन के इस युग में उन्नति एवं स्वरोजगार की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने पर जोर दिया। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता ने कहा कि आज के तकनीकी युग में छात्राओं को आधुनिक तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ना चाहिए जिससे कि वे आगे चलकर वस्त्र निर्माण के क्षेत्र में एक सफल उद्यमी के रूप में अपना उत्कृष्ट स्थान बना सकें। इस अवसर पर उपरोक्त विभाग की अध्यक्ष डॉ. नीलम एम. रोज भी उपस्थित रही।

- **राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर**

कृषि महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा गांधी जयंती व लाल बहादुर शास्त्री जयंती के उपलक्ष्य में एक दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के उद्घाटन समारोह में छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा के साथ कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सुरेन्द्र कुमार पाहुजा उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में स्वच्छ भारत 2.0 अभियान का शुभारम्भ किया गया। इस राष्ट्रव्यापी अभियान में योगदान करते हुए कृषि महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों ने करीब 50 किलोग्राम सिंगल यूज प्लास्टिक कचरा इकट्ठा किया तथा विश्वविद्यालय परिसर में जागरूकता रैली निकाली। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने देशभक्ति से ओतप्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया।

- **पोषण जागरूकता रैली**

इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा लेबर कालोनी में नुक्कड़ नाटक और पोषण जागरूकता रैली कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता की देखरेख में हुए इस कार्यक्रम का आयोजन पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग द्वारा किया गया था। छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के जरिए महिलाओं को पोषण की जानकारी देते हुए बच्चों और महिलाओं को पूर्ण आहार देने के लिए प्रेरित किया ताकि विशेषकर बालिकाओं को सभी आवश्यक पोषक तत्व मिल सकें।

- **औषधीय फसलों पर कार्यशाला**

कृषि महाविद्यालय के अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अंतर्गत औषधीय, सगंध एवं क्षमतावान फसल अनुभाग द्वारा आईसीएआर-डीएमएपी आनंद के सहयोग से औषधीय वाटिका में अनुसुचित जाति के किसानों के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र सदलपुर, अंबाला, बावल व हिसार में कार्यशालाएं आयोजित की गई। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय किसानों को औषधीय, सगंध एवं क्षमतावान पौधों की खेती संबंधी हर प्रकार की जानकारी प्रदान कर रहा है। यदि किसान अपने क्षेत्र में इन पौधों की खेती करते हैं तो उपरोक्त विभाग उनको पूरी तकनीकी जानकारी प्रदान करेगा। एम.ए.पी. अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने गांवों में औषधीय पौधों की हर्बल वाटिका बनाकर संरक्षण करते हुए उनके सदुपयोग पर बल दिया। कार्यशाला में सहायक वैज्ञानिक डॉ. राजेश कुमार आर्य ने किसानों को औषधीय पौधों की खेती, संरक्षण तथा उपयोग संबंधी जानकारी प्रदान की।

क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र समाचार

धान मेला

- क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, कौल (कैथल) द्वारा एक दिवसीय धान मेले का आयोजन किया गया जिसमें प्रदेश के धान उत्पादक जिलों के भारी संख्या में किसानों के साथ लगभग 25 निजी क्षेत्र की कंपनियों ने भाग लिया। इस धान मेले का उद्घाटन कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने किया जबकि अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर कुलपति ने क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, कौल के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. ओ.पी. लठवाल की अगुवाई में मेला स्थल पर आयोजित की गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कुलपति ने धान मेले में उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय उनकी सेवा के लिए पूर्णत: समर्पित है और यहां के वैज्ञानिक

उनकी कृषि संबंधी प्रत्येक समस्या के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। इस मौके पर कुलपति ने धान व गन्ना अनुसंधान प्रक्षेत्रों का भी दौरा किया और वैज्ञानिकों को किसानों की आमदनी दोगुणा करने तथा रसायनिक कीटनाशक दवाओं के प्रयोग को घटाने की दिशा में कड़े प्रयास करने को कहा। साथ ही उन्होंने केन्द्र पर प्राकृतिक खेती के परीक्षण करने पर भी जोर दिया ताकि इस पर वैज्ञानिक आंकड़े जुटाए जा सकें। उन्होंने उपरोक्त केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा धान के कीट व रोग विषय पर प्रकाशित पुस्तिका का विमोचन किया और प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया।

जागरूकता अभियान

- क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, रोहतक की ओर से रबी फसलों में बीजोपचार विषय को लेकर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें किसानों को बीजोपचार के महत्व के बारे में अवगत कराया गया। एक दिवसीय इस कार्यक्रम में सहायक वैज्ञानिक (सस्य विज्ञान) डॉ. मीना सुहाग ने जैविक उर्वरकों से बीजोपचार की विधि का प्रदर्शन किया जबकि सहायक वैज्ञानिक (कीट विज्ञान) डॉ. दिलबाग अहलावत ने बीजोपचार की सहायता से भूमि में पाए जाने वाले कीटों के नियंत्रण बारे किसानों का मार्गदर्शन किया।

किसान दिवस की झलक

फीडबैक

मीडिया एडवाइज़र
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार- 125 004
दूरभाष : 01662-284330, 289307
ई-मेल : mediaadvisorhau@gmail.com / prohaunews@gmail.com

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय
हिसार- 125 004 (हरियाणा), भारत
(1970 की संसदीय अधिनियम संख्या 16 द्वारा संस्थापित)
दूरभाष : 01662-237720-21, 289502-10
वेबसाईट : www.hau.ac.in

Published by Media Advisor on behalf of CCS Haryana Agricultural University, Hisar. Printed at : Dorex Offset, Hisar Mob. 98960-11117